पाठ 18. युगावतार गांधी

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक विचार संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे चीज़ों व घटनाओं को देखने और करने का अभिनव तरीका अपना सकें। महात्मा गांधी के व्यक्तित्व और उनके विचारों को जीवंत रूप से प्रकट करने वाली सोहनलाल द्विवेदी जी की इस कविता में गांधी जी के आदर्शों की प्रासंगिकता और आवश्यकता का वर्णन किया गया है। सामाजिक परिवर्तन में गांधी जी ने जो भूमिका निभाई, उसे कई अर्थों में अनुकरणीय माना गया है।

पाठ का सार

'युगावतार गांधी' कविता में कवि कहते हैं कि गांधी जी के पथ का अनुसरण भारत ही नहीं, भारत के बाहर भी असंख्य लोगों ने किया है। युग की आवाज़ बन गए बापू ने अपने समय और समाज को सही राह प्रदान की। गांधी जी ने छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों को तोड़ने की पहल की। गांधी जी ने एक तरफ़ अंग्रेज़ों से भारतमाता को मुक्ति दिलाने के संघर्ष में देश का नेतृत्व किया, वहीं दूसरी ओर, देश के भीतर धार्मिक अंधविश्वास की जड़ों को उखाड़ फेंकने का बीड़ा उठाया। पूरी मानवता को राह दिखाने वाले 'बापू' को समर्पित यह गीत बहुत ही ओजपूर्ण है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  गांधी जी के व्यक्तित्व के बारे में बच्चों से बातचीत करें। स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान की चर्चा की जा सकती है। दांडी मार्च, असहयोग आंदोलन, आदि का उल्लेख अवश्य करें। इन आंदोलनों में उनके पीछे जन-समुदाय उमड़ पड़ता था, इसके कारणों पर चर्चा करें। कविता का ओजपूर्ण वाचन करवाएँ। कठिन शब्दों का सरल अर्थ बताते हुए कविता का भावार्थ बताएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 79** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द के बारे में उदाहरणसहित बताएँ। इसके लिए कुछ उदाहरणों का सहारा लिया जा सकता है।
  - बच्चों को बताएँ कि कुछ शब्दों के अर्थ एक से अधिक होते हैं जिन्हें अनेकार्थी शब्द कहा जाता है। वाक्य-प्रयोग द्वारा ऐसे शब्दों के अर्थ स्पष्ट किए जा सकते हैं।
  - संधि में जिन विभक्तियों का लोप होता है, वे संधि-विच्छेद में प्रकट हो जाती हैं, यह समझाएँ। विच्छेद के उपरांत वर्णों की ओर बच्चों का ध्यान आकृष्ट करें।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - बापू ने सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाया था। इसे समझाने के लिए उनकी जीवनी से संबंधित प्रसंगों पर चर्चा करें।
  - बापू से जुड़े गीतों या कविताओं वाली पुस्तकें लाइब्रेरी में उपलब्ध करवाएँ।